

109

समक्ष न्यायालय राजस्व मंडल ग्वालिंदार म.प. १ 10

प्रकरण - नि/बि/१ - 892-17/2003

- आवेदक :-
1. धनश्याम दास आत्मज जुगल किशोर गोस्वामी
 2. भुवनेश गोस्वामी आत्मज धनश्याम दास
 3. कमलेश गोस्वामी आत्मज धनश्याम दास
- तभी निवासी-तौरम कालौना, चांदबल, भोपाल. म.प.

दिनांक 10.6.03 को
जबलपुर का
श्री छाया सिंह 127 गडान
अधीन 477 अर्जित

विषय

क
10.6.03
रीडर

अनावेदक :- म० प्र० शासन,

आवेदन पत्र धारा 8 तहसील धारा 32 म. प. भू. राजस्व संज्ञता.

आवेदक निम्न कथन कर प्रार्थना करता है कि -

1. यह कि, ग्राम करमेता प. ह. नं. 26, नंबर बंदोबस्त - 497, तहसील व जिला जबलपुर की भूमि ख० नं० 254, रकबा 1.269 हे. भूमि पुस्तक आत्मज सोहा., मालिक - कांका एवं भूमि स्वामी हैं। जिसके संबंध में उतने तहसिल अधिकारी, जर्बन लैण्ड सीलिंग के समक्ष रिटर्न प्रस्तुत की जितके तिरु प्र० क्र० - 82 अ / 90 ख - 9 व 78-79 दर्ज कर कावंधादाप्रारंभ की गई।

2. यह कि, मौजा करमेता प. ह. नं. - 26, नंबर बंदोबस्त - 497, के उत्तरा नंबर 257 मे से 16,800 वर्गफुट. का भू खण्ड. पुरुषोत्तम दास मरेले ने भूमि स्वामी गोविंद प्रताप आत्मज हलकुराम चौबे से पंजीकृत बैनामा दिनांक - 22.5.68 को क्रय किया इती प्रकार तहसील प्रताप इन्दू रख्या ने भूमि स्वामी गोविंद चौबे से उत्तरा नंबर - 257 मे से 18834 वर्ग फुट. भू खण्ड पंजीकृत बैनामा दिनांक - 4.3.68 के द्वारा क्रय किया। तदनुसार प्रेता गण क्रय भूमि के मालिक

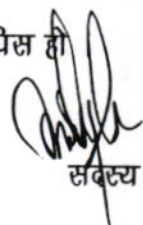
R

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - विविध 892-तीन/03

जिला - जबलपुर

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
18-7-16	<p>प्रकरण का अवलोकन किया। इस प्रकरण में तत्कालीन पीठासीन अधिकारी द्वारा दिनांक 25-6-03 को आदेश पारित किया गया था। बाद में यह तथ्य आने पर कि यह प्रकरण नगर भूमि सीमा अधिनियम, 1976 का है, जिसकी सुनवाई का क्षेत्राधिकार राजस्व मंडल को नहीं है, अध्यक्ष राजस्व मंडल के आदेश दिनांक 3-4-12 के द्वारा प्रकरण को स्वमेव पुनरावलोकन में लिया गया तथा आवेदकगण को सूचनापत्र भेजे गये हैं, किंतु उनकी ओर से कोई उपस्थित नहीं हो रहा है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें प्रकरण में अपना पक्ष रखने में कोई रुचि नहीं है। दर्शित परिस्थिति में इस न्यायालय द्वारा इस प्रकरण में पारित क्षेत्राधिकार रहित आदेश दिनांक 25-6-2003 निरस्त किया जाता है।</p> <p>2/ उभयपक्ष सूचित हों तथा अधीनस्थ न्यायालय का अभिलेख वापिस हो</p>	<p> सदस्य</p>